CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper 01 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए

- इस प्रश्नपत्र में 2 खंड हैं खंड अ और खंड ब।
- खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड ब में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

प्रकाश ही जीवन का मूलमंत्र है। सूर्य-किरण का परस पाकर ही पेड़ पल्लवित होते हैं। गाछ-बिरछ व समस्त हरियाली प्रकाश हथियाने के जाले हैं। पशु-डाँगर पेड़-पौधे या हरियाली खाकर अपने प्राणों का निर्वाह करते हैं। सोचकर देखा जाए, तो हम भी प्रकाश की खुराक पाकर ही जीवित हैं। कोई पेड़ एक वर्ष बाद ही मर जाता है। सब पेड़ मरने से पहले संतान छोड़ जाने के लिए व्यग्र हैं। बीज ही गाछ-बिरछ की संतान है। बीज की सुरक्षा के लिए पेड़ फूल की पंखुड़ियों से घिरा एक छोटा-सा घर तैयार करता है। फूलों से आच्छादित होने पर पेड़ कितना सुंदर दिखाई देता है; जैसे-फूल-फूल के बहाने वह स्वयं हँस रहा हो। पेड़ों को मुस्कुराते हुए देखकर हमें कितनी खुशी होती है। खुशी के मौके पर हम अपने परिजनों को निमंत्रित करते हैं। उसी प्रकार फूलों की बहार आने पर गाछ-बिरछ अपने बंधु-बांधवों को बुलाते हैं। स्नेहसिक्त वाणी में पुकारते हैं, "कहाँ हो मेरे बंधु, मेरे बांधव! आज मेरे घर आओ। यदि रास्ता भटक जाओ, कहीं घर पहचान नहीं सको, इसलिए रंग-बिरंगे फूलों के निशान लगा रखे हैं। ये रंगीन पंखुड़ियाँ दूर से देख सकोगे।" मधुमक्सियों व तितलियों के साथ बिरछ की चिरकाल से घनिष्ठता रही है। वे दल-बल सहित फूल देखने आती हैं। कुछ पतंगे दिन के समय पक्षियों के डर से बाहर नहीं निकल सकते। पक्षी उन्हें देखते ही खा जाते हैं, इसलिए रात का अँधेरा घिरने तक वे छिपे रहते हैं। शाम होते ही उन्हें बुलाने की खातिर फूल चारों ओर सुगंध फैला देते हैं।

I. जीवन का मूलमंत्र क्या है ?
   1. सूर्य की गर्मी
   2. वृक्षों की हरियाली
   3. ईंधन की ऊर्जा

4. सूर्य का प्रकाश

II. पेड़ों की संतान किसे कहा गया है?

i. डालों को

ii. बीजों को

iii. फलों को

iv. फूलों को

III. स्नेहसिक्त वाणी में वृक्ष क्या कहते हैं?

i. मेरे बंधु-बांधव! आज मेरे घर आओ

ii. मेरी रंगीन पंखुड़ियों को देखो

iii. रंग-बिरंगे फूलों को पहचान लो

iv. तुम सब कहाँ हो?

IV. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक चुनिए।

i. प्रकाश और ताप

ii. सूर्य की ऊर्जा

iii. प्रकाश ही जीवन

iv. हरियाली और प्रकाश

V. 'बिरछ' का तत्सम शब्द है:

i. पेड़

ii. पौधा

iii. वृक्ष

iv. लता

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

आज की नारी संचार प्रौद्योगिकी, सेना, वायुसेना, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, विज्ञान वगैरह के क्षेत्र में न जाने किन-किन भूमिकाओं में कामयाबी के शिखर छू रही है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं, जहाँ आज की महिलाओं ने अपनी छाप न छोड़ी हो। कह सकते हैं कि आधी नहीं, पूरी दुनिया उनकी है। सारा आकाश हमारा है। पर क्या सही मायनों में इस आज़ादी की आँच हमारे सुदूर गाँवों, कस्बों या दूरदराज के छोटे-छोटे कस्बों में भी उतनी ही धमक से पहुँच पा रही है? क्या एक आज़ाद, स्वायत्त मनुष्य की तरह अपना फैसला खुद लेकर मज़बूती से आगे बढ़ने की हिम्मत है उसमें?

बेशक समाज बदल रहा है मगर यथार्थ की परतें कितनी बहुआयामी और जटिल हैं जिन्हें भेदकर अंदरूनी सच्चाई तक पहुँच पाना आसान नहीं। आज के इस रंगीन समय में नई बढ़ती चुनौतियों से टकराती स्त्री की क्रांतिकारी आवाजें हम सबको सुनाई दे रही हैं, मगर यही कमाऊ स्त्री जब समान अधिकार और परिवार में लोकतंत्र की अनिवार्यता पर बहस करती या सही मायनों में लोकतंत्र लाना चाहती है तो वहाँ इसकी राह में तमाम धर्म, भारतीय संस्कृति, समर्पण, सहनशीलता, नैतिकता जैसे सामंती

मूल्यों की पगबाधाएँ खड़ी की जाती हैं। नारी की सच्ची स्वाधीनता का अहसास तभी हो पाएगा जब वह आज़ाद मनुष्य की तरह भीतरी आज़ादी को महसूस करने की स्थितियों में होगी।

I. नारी की वास्तविक आज़ादी कब होगी?
   i. जब वह भीतरी आज़ादी को महसूस कर पाएगी
   ii. जब वह बाहरी आज़ादी को महसूस कर पाएगी
   iii. जब वह भीतरी आज़ादी को महसूस नहीं कर पाएगी
   iv. जब वह किसी भी आज़ादी को महसूस नहीं कर पाएगी

II. नैतिकता शब्द से प्रत्यय अलग करके मूलशब्द भी लिखिए।
   i. नीति + कता
   ii. नैतिक + ता
   iii. नै + तिकता
   iv. नीति + इकता

III. कैसे कहा जा सकता है कि आधी दुनिया नहीं बल्कि पूरी दुनिया महिलाओं की है?
   i. क्योंकि आज की महिला स्वतंत्र है
   ii. क्योंकि आज महिला ने आज़ादी को महसूस किया है
   iii. क्योंकि आज महिला हर क्षेत्र में आगे है
   iv. क्योंकि आज महिला की सोच स्वतंत्र है

IV. नारी सही मायनों में क्या लाना चाहती है?
   i. समाजतंत्र
   ii. राजतंत्र
   iii. लोकतंत्र
   iv. शाहीतंत्र

V. गद्यांश के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक है -
   i. नारी
   ii. स्वतंत्र नारी
   iii. आज की नारी
   iv. आधुनिक नारी

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

आत्मनिर्भरता का अर्थ है-अपने ऊपर निर्भर रहना। जो व्यक्ति दूसरे के मुँह को नहीं ताकते वे ही आत्मनिर्भर होते हैं। वस्तुतः आत्मविश्वास के बल पर कार्य करते रहना आत्मनिर्भरता है। आत्मनिर्भरता का अर्थ है-समाज, निज तथा राष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करना। व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र में आत्मविश्वास की भावना, आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। स्वावलंबन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलंबी अवश्य होना चाहिए। स्वावलंबन व्यक्ति, समाज, राष्ट्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र है। स्वावलंबन जीवन का अमूल्य आभूषण है, वीरों तथा

कर्मयोगियों का इष्टदेव है। सर्वांगीण उन्नति का आधार है।

जब व्यक्ति स्वावलंबी होगा, उसमें आत्मनिर्भरता होगी, तो ऐसा कोई कार्य नहीं जिसे वह न कर सके। स्वावलंबी मनुष्य के सामने कोई भी कार्य आ जाए, तो वह अपने दृढ़ विश्वास से, अपने आत्मबल से उसे अवश्य ही पूर्ण कर लेगा। स्वावलंबी मनुष्य जीवन में कभी भी असफलता का मुँह नहीं देखता। वह जीवन के हर क्षेत्र में निरंतर कामयाब होता जाता है। सफलता तो स्वावलंबी मनुष्य की दासी बनकर रहती है। जिस व्यक्ति का स्वयं अपने आप पर ही विश्वास नहीं, वह भला क्या कर पाएगा? परंतु इसके विपरीत जिस व्यक्ति में आत्मनिर्भरता होगी, वह कभी किसी के सामने नहीं झुकेगा। वह जो करेगा सोचसमझकर धैर्य से करेगा। मनुष्य में सबसे बड़ी कमी स्वावलंबन का न होना है। सबसे बड़ा गुण भी मनुष्य की आत्मनिर्भरता ही है।

I. किन व्यक्तियों को आत्मनिर्भर कहा जा सकता है?
   i. जो दूसरों का मुँह नहीं ताकते हैं
   ii. जो दूसरों का मुँह ताकते हैं
   iii. जो दूसरों पर निर्भर रहते हैं
   iv. जो आत्मविश्वासी नहीं होते

II. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
   i. स्वतंत्रता
   ii. आत्मनिर्भरता
   iii. आत्ममंथन
   iv. आत्मविश्वास

III. जीवन का अमूल्य आभूषण किसे कहा गया है?
   i. आत्मनिर्भरता को
   ii. आत्मविश्वास को
   iii. स्वावलंबन को
   iv. इनमें से कोई नहीं

IV. स्वावलंबी की दासी किसे कहा गया है?
   i. सफलता को
   ii. असफलता को
   iii. परिश्रम को
   iv. आत्मनिर्भरता को

V. स्वावलंबी मनुष्य प्रत्येक कार्य को कैसे पूरा करता है ?
   i. मन से
   ii. दिमाग से
   iii. दासता से
   iv. आत्मबल से

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

आवश्यकता के अनुरूप प्रत्येक जीव को कार्य करना पड़ता है। कर्म से कोई मुक्त नहीं है। अत्यंत उच्चस्तरीय आध्यात्मिक जीव जो साधना में लीन है अथवा उसके विपरीत वैचारिक क्षमता से हीन व्यक्ति ही कर्महीन रह सकता है। शरीर ऊर्जा का केंद्र है। प्रकृति से ऊर्जा प्राप्त करने की इच्छा और अपनी ऊर्जा से परिवेश को समृद्ध करने का भाव मानव के सभी कार्यव्यवहारों को नियंत्रित करता है। अतः आध्यात्मिक साधना में लीन और वैचारिक क्षमता से हीन व्यक्ति भी किसी न किसी स्तर पर कर्मलीन रहते ही हैं।

गीता में कृष्ण कहते हैं, 'यदि तुम स्वेच्छा से कर्म नहीं करोगे तो प्रकृति तुमसे बलात् कर्म कराएगी।' जीव मात्र के कल्याण की भावना से पोषित कर्म पूज्य हो जाता है। इस दृष्टि से जो राजनीति के माध्यम से मानवता की सेवा करना चाहते हैं उन्हें उपेक्षित नहीं किया जा सकता। यदि वे उचित भावना से कार्य करें तो वे अपने कार्यों को आध्यात्मिक स्तर तक उठा सकते हैं।

यह समय की पुकार है। जो राजनीति में प्रवेश पाना चाहते हैं, वे यह कार्य आध्यात्मिक दृष्टिकोण लेकर करें और दिनप्रतिदिन आत्मविश्लेषण, अंतर्दृष्टि, सतर्कता और सावधानी के साथ अपने आप का परीक्षण करें, जिसमें वे सन्मार्ग से भटक न 'जाएँ। राजेंद्र प्रसाद के अनुसार "सेवक के लिए हमेशा जगह खाली पड़ी रहती है। उम्मीदवारों की भीड़ सेवा के लिए नहीं हआ करती। भीड तो सेवा के फल के बँटवारे के लिए लगा करती है जिसका ध्येय केवल सेवा है, सेवा का फल नहीं, उसको इस धक्का-मुक्की में जाने की और इस होड़ में पड़ने की कोई जरूरत नहीं है।

I. कर्म से मुक्ति संभव क्यों नहीं है?
   i. क्योंकि कर्म ही ऊर्जा का साधन है
   ii. क्योंकि कर्म ही श्रेष्ठ है
   iii. क्योंकि कर्म करना आवश्यक है
   iv. क्योंकि कर्म से कोई मुक्त नहीं है

II. सच्चे सेवक की पहचान क्या है?
   i. वह हमेशा भरी हुई जगह को भर देता है
   ii. वह हमेशा खाली पड़ी जगह को भर देता है
   iii. वह सच्ची सेवा करता है
   iv. वह सेवा नहीं करता है

III. मनुष्य स्वयं को आध्यात्मिक स्तर तक कब उठा सकता है ?
   i. जब वह स्वेच्छा से कर्म करता है
   ii. जब वह कल्याण की भावना से मानवता की सेवा नहीं कर सकता है
   iii. जब वह कल्याण की भावना से मानवता की सेवा करता है
   iv. जब वह स्वेच्छा से कर्म नहीं करता है

IV. प्रकृति हमसे कब बलात कर्म करवाती है ?
   i. जब हम स्वेच्छा से कर्म नहीं करते हैं
   ii. जब हम स्वेच्छा से कर्म करते हैं

iii. जब हम आध्यात्मिक साधना में लीन होते हैं

iv. जब हम सेवा कार्य करते हैं

V. किस प्रकार का कर्म पूज्य हो जाता है?

i. जो पूजनीय होता है

ii. जिसमें जीव मात्र की कल्याण भावना निहित होती है

iii. जिसमें जीवमात्र की कल्याणभावना निहित नहीं होती है

iv. इनमें से कोई नहीं

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. '**भाग्य की मारी तुम** अब कहाँ जाओगी।' में कौनसा पदबंध है ?

a. विशेषण पदबंध

b. सर्वनाम पदबंध

c. क्रिया विशेषण पदबंध

d. संज्ञा पदबंध

ii. किस वाक्य में रेखांकित पदबंध क्रिया पदबंध नहीं है?

a. बच्चा **दौड़कर** आया है।

b. बच्चे **खेल रहे हैं**।

c. उसने आज ही पत्र **लिखा है**।

d. मुझे **सुनाई पड़ रहा है**।

iii. वाक्य में कितने प्रकार के पदबंध आते हैं ?

a. पाँच

b. छह

c. तीन

d. चार

iv. रेखांकित पदबंधों में से कौनसा सर्वनाम पदबंध का उदाहरण नहीं है ?

a. बच्चे **घर के पास** खेल रहे हैं।

b. **मौत से जूझने वाला वह** मर नहीं सकता।

c. **कक्षा में शोर मचाने वाले तुम** आज क्यों चुप हो।

d. **मेरे बचपन का साथी** मोहित डॉक्टर है।

v. किस वाक्य का रेखांकित पदबंध संज्ञा पदबंध है ?

a. **शरारत करने वाले बच्चों** की कोई कमी नहीं है।

b. मैं सुबह टहलने **जाता हूँ।**

c. मुझे **बहुत जोर से** भूख लगी है।

d. बच्चा **पढ़कर** सो गया।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
    i. सच बोलने वाले व्यक्ति को कोई डरा नहीं सकता। (मिश्रित वाक्य)
        a. जो व्यक्ति सच बोलता है उसे कोई डरा नहीं सकता।
        b. वे सच बोलने वाले व्यक्ति हैं और उन्हें कोई नहीं डरा नहीं सकते।
        c. सच बोलने वाले व्यक्ति को कोई डरा नहीं सकता।
        d. उन्हें कोई डरा नहीं सकता, इसलिए वे सच बोलते हैं।
    ii. पंडित जी ने सूचित किया कि कल मंदिर नहीं खुलेगा। (सरल वाक्य)
        a. जब मंदिर नहीं खुला तब पंडित जी ने सूचित किया।
        b. पंडित जी ने सूचित किया पर मंदिर नहीं खुला।
        c. पंडित जी ने कल मंदिर न खुलने के लिए सूचित किया।
        d. जब पंडित जी सूचित करेंगे, तब मंदिर नहीं खुलेगा।
    iii. जब हम यात्रा पर जाएँगे, होटल में ठहरेंगे। (संयुक्त वाक्य)
        a. यात्रा पर जाकर होटल में ठहरो।
        b. हम यात्रा पर जाकर होटल में ठहरेंगे।
        c. हम यात्रा पर जाएँगे और होटल में ठहरेंगे।
        d. यात्रा पर जाओ तो होटल में ठहरो।
    iv. निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्रित अथवा मिश्र वाक्य की पहचान कीजिए-
        a. मेरा वह स्कूटर चोरी हो गया है, जो मैंने कल ही खरीदा था।
        b. कल खरीदा हुआ मेरा स्कूटर चोरी हो गया है।
        c. मेरा खरीदा हुआ स्कूटर चोरी हो गया है कल।
        d. मैंने कल स्कूटर खरीदा और वह चोरी हो गया।
    v. काली कमीज़ पहने हुए बच्चे को बुला लाओ। (मिश्र वाक्य)
        a. उस बच्चे को बुला लाओ, जो काली कमीज़ पहने हुए है।
        b. जब काली कमीज़ पहन लेना तो उस बच्चे को बुला लाना।
        c. काली कमीज़ पहनो और उस बच्चे को बुला लाओ।
        d. यदि बच्चे ने काली कमीज़ पहनी हो तो उसे बुला लाना।
5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
    i. प्रसंगानुसार
        a. प्रसंग के अनुसार - तत्पुरुष समास
        b. प्रसंग और अनुसार - द्वंद्व समास
        c. प्रसंग अनुसार - अव्ययीभाव समास
        d. प्रसंग अथवा अनुसार - तत्पुरुष समास
    ii. महात्मा

a. महान है जो आत्मा अर्थात पुरुष विशेष - कर्मधारय समास

b. महान आत्मा वाला - अव्ययीभाव समास

c. महान आत्मा - तत्पुरुष समास

d. महान है जो आत्मा - कर्मधारय समास

iii. नवरात्रि

a. नव की रातें - तत्पुरुष समास

b. नौ रातों का समूह - द्वंद्व समास

c. नई रात्रि - कर्मधारय समास

d. नौ रात्रियों का समाहार - द्विगु समास

iv. इस समास में पूर्व पद व उत्तर पद की अपेक्षा कोई अन्य पद प्रधान होता है।

a. कर्मधारय समास

b. बहुब्रीहि समास

c. द्वंद्व समास

d. द्विगु समास

v. संसारसागर

a. संसार है जो सागर - कर्मधारय समास

b. संसार रूपी सागर - कर्मधारय समास

c. संसार और सागर - कर्मधारय समास

d. संसार के समान सागर - कर्मधारय समास

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. टोह में रहना

a. जानकारी लेने की कोशिश करना

b. घर में छिप कर रहना

c. जंगल में रहना

d. गुफ़ा में छिप कर रहना

ii. हरिहर काका की संपत्ति पर उसके भाई _____ जमाए बैठे थे।

a. गिद्ध दृष्टि

b. कड़ी नज़र

c. नज़र लगाए

d. नज़र उठाए बैठे

iii. स्थाई रूप से रहना

a. डेरा बाँधना

b. घर बनाना

c. डेरा डालना

d. मकान बनाना

iv. सस्ता सौदा

a. सस्ता सामान मिलना

b. खरीदारी करना

c. कम पैसे खर्च होना

d. ज्यादा लाभ होना

v. इतना रुपया व्यर्थ करना ठीक नहीं, यह तो तुम्हारे पिताजी की _____है |

a. कड़ी कमाई

b. व्यर्थ कमाई

c. गाढ़ी कमाई

d. काली कमाई

7. **निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**

उड़ गया, अचानक लो, भूधर
फड़का अपार वारिद के पर!
रव-शेष रह गए हैं निर्झर!
है टूट पड़ा भू पर अंबर!

धँस गए धरा में सभय शाल!
उठ रहा धुआँ, जल गया ताल!
-यों जलद-यान में विचर-विचर
था इंद्र खेलता इंद्रजाल

I. बादलों के विमान में कौन घूम रहा है?

i. बादल

ii. पानी

iii. इन्द्र

iv. आकाश

II. पर्वत एकटक किसे निहार रहे हैं?

i. आकाश को

ii. पानी को

iii. झरने को

iv. प्रकृति को

III. 'रव-शेष रह गए हैं निर्झर!' का क्या तात्पर्य है?

i. सब कुछ शांत हो जाना

ii. बारिश का होना

iii. सब कुछ समाप्त हो जाना

iv. केवल पानी की आवाज का रह जाना

IV. तालाब के ऊपर धुएं का उठना किसका प्रतीक है?

i. ताल के जलने का

ii. धुंध छाने का

iii. जादू के खेल का

iv. इन्द्र के घूमने का

8. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

दुनिया कैसे वजूद में आई? पहले क्या थी? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया। अब गरमी में ज्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, ज़लज़ले, सैलाब, तूफ़ान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं। नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है। नेचर के गुस्से का एक नमूना कुछ साल पहले बंबई (मुंबई) में देखने को मिला था और यह नमूना इतना डरावना था कि बम्बई निवासी डरकर अपने-अपने पूजा स्थल में अपने खुदाओं से प्रार्थना करने लगे थे।

I. पूरे संसार को टुकड़ों में किसने बाँट दिया?

i. पशु

ii. मनुष्य

iii. विज्ञान

iv. धर्म

II. पंछियों को बस्तियों से किसने भगाया?

i. मानव ने

ii. विज्ञान ने

iii. तूफान ने

iv. प्रदूषण ने

III. मानव और प्रकृति के असंतुलन का परिणाम क्या नहीं है?

i. गर्मी में अधिक गर्मी

ii. संसार की रचना

iii. वातावरण की बर्बादी

iv. प्राकृतिक आपदाएँ

IV. बंबई निवासी अपने-अपने पूजा स्थलों में प्रार्थना क्यों करने लगे थे?

i. प्राकृतिक आपदा से बचने के लिए

ii. उन्हें धर्म पर विश्वास था

iii. अन्य जीव-जंतुओं से बचने के लिए

iv. संसार को टुकड़ों में बाँटने के लिए

V. बढ़ती हुई आबादी ने क्या करना शुरू किया?

i. दीवारें खड़ी करना

ii. प्रकृति को असंतुलित करना

iii. सैलाब और तूफान लाना

iv. दुनिया के वजूद की खोज

9. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

(दो अंग्रेज़ बैठे बातें कर रहे हैं, कर्नल कालिंज और एक लेफ्टीनेंट खेमे के बाहर हैं, चाँदनी छिटकी हुई है, अंदर लैंप जल रहा है।)

कर्नल - जंगल की ज़िंदगी बड़ी खतरनाक होती है।

लेफ्टिनेंट - हफ़्तों हो गए यहाँ खेमा डाले हुए। सिपाही भी तंग आ गए हैं। ये वज़ीर अली आदमी है या भूत, हाथ ही नहीं लगता।

कर्नल - उसके अफ़साने सुन के रॉबिनहुड के कारनामे याद आ जाते हैं। अंग्रेज़ों के खिलाफ़ उसके दिल में किस कदर नफ़रत है। कोई पाँच महीने हुकूमत की होगी। मगर इस पाँच महीने में वो अवध के दरबार को अंग्रेज़ी असर से बिलकुल पाक कर देने में तकरीबन कामयाब हो गया था।

लेफ्टिनेंट - कर्नल कालिंज ये सआदत अली कौन है?

कर्नल - आसिफ़उद्दौला का भाई है। वज़ीर अली का और उसका दुश्मन। असल में नवाब आसिफ़उद्दौला के यहाँ लड़के की कोई उम्मीद नहीं थी। वज़ीर अली की पैदाइश को सआदत अली ने अपनी मौत खयाल किया।

I. कर्नल ने जंगल में खेमा क्यों डाला हुआ था?

i. वजीर अली को पकड़ने के लिए

ii. शहादत अली की सुरक्षा के लिए

iii. कैंप के लिए

iv. अंग्रेजों की सुरक्षा के लिए

II. कौन रोबिनहुड की याद दिलाता है?

i. कर्नल कलिंज

ii. सआदत अली

iii. वजीर अली

iv. सिपाही

III. खेमे के बाहर किस की रोशनी है?

i. चाँद की

ii. लैंप की

iii. बल्ब की

iv. सूरज की

IV. कर्नल ने जंगल में कब से खेमा डाला हुआ था?

i. महीनों से

ii. वर्षों से

iii. कुछ दिन पहले

iv. हफ्तों से

V. अवध से अंग्रेजों को वज़ीर अली ने कितने दिनों में लगभग हटा दिया था?

i. तीन महीने

ii. पाँच महीने

iii. दो साल

iv. कुछ दिन

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

i. आशय स्पष्ट कीजिए- इम्तिहान पास कर लेना कोई बड़ी चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास।

ii. वामीरो का मन भी तताँरा की ओर आकर्षित हो गया था। तताँरा-वामीरो की कथा के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

iii. लेखक ने ग्वालियर से बंबई तक किन बदलावों को महसूस किया? **अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले** पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए:

मनुष्यता कविता के आधार पर लिखिए की उदार व्यक्ति के कौन-कौन से गुण उसे अलग पहचान देते हैं। अपने परिचितों में से किसी एक का उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए कि उसे उदार व्यक्ति कैसे कहा जा सकता है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

i. विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए **सपनों के से दिन** पाठ में अपनाई गई युक्तियों और वर्तमान में स्वीकृत मान्यताओं के संबंध में अपने विचार प्रकट कीजिए।

ii. ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रद्धा के जो भाव हैं, उससे उनकी किस मनोवृत्ति का पता चलता है?

iii. टोपी शुक्ला पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि मित्रता को मज़हब की दीवारों में कैद नहीं किया जा सकता।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **कंप्यूटर हमारा मित्र** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- क्या है
- विद्यार्थियों के लिए उपयोग
- सुझाव

ii. **शारीरिक शिक्षा और योग** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- शारीरिक शिक्षा का अर्थ एवं महत्त्व
- शारीरिक शिक्षा और योग
- प्रभाव और अच्छे परिणाम

iii. **जनसंख्या नियंत्रण** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

- जनसंख्या वृद्धि की समस्या
- नियंत्रण की आवश्यकता क्यों
- नियंत्रण कैसे?

14. आपके क्षेत्र का डाकिया पत्रों का वितरण बड़ी लापरवाही से करता है। इधर-उधर फेंककर चला जाता है। एक शिकायती पत्र मुख्य डाकपाल को लिखिए।

OR

अपने क्षेत्र के विद्युत विभाग के अधिकारी को विद्युत बिल ठीक कराने के लिए पत्र लिखिए।

15. विद्यालय में छुट्टी के दिनों में भी प्रातःकाल में योग की अभ्यास कक्षाएँ चलने की सूचना देते हुए इच्छुक विद्यार्थियों द्वारा अपना नाम देने हेतु सूचना-पट्ट के लिए एक सूचना लगभग 30 शब्दों में लिखिए।

OR

आप अपने विद्यालय की छात्र सभा के सचिव हैं और विद्यालय में दीवाली मेला आयोजित करवाना चाहते हैं। उससे संबंधित, एक सूचना 40-50 शब्दों में लिखिए।

16. फेस क्रीम विक्रेता के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

OR

पर्स विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

17. **जहाँ चाह वहाँ राह** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

वृक्ष की व्यथा विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper 01 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (iv) सूर्य का प्रकाश
   II. (ii) बीजों को
   III. (i) मेरे बंधु-बांधव! आज मेरे घर आओ
   IV. (iii) प्रकाश ही जीवन
   V. (i) वृक्ष

OR

   I. (i) जब वह भीतरी आज़ादी को महसूस कर पाएगी
   II. (ii) नैतिक + ता
   III. (iii) क्योंकि आज महिला हर क्षेत्र में आगे है
   IV. (iii) लोकतंत्र
   V. (iii) आज की नारी
2. I. (i) जो दूसरों का मुँह नहीं ताकते
   II. (ii) आत्मनिर्भरता
   III. (iii) स्वावलंबन को
   IV. (i) सफलता को
   V. (iv) आत्मबल से

OR

   I. (i) क्योंकि कर्म ही ऊर्जा का साधन है
   II. (ii) वह हमेशा खाली पड़ी जगह को भर देता है
   III. (iii) जब वह कल्याण की भावना से मानवता की सेवा करता है
   IV. (i) जब हम स्वेच्छा से कर्म नहीं करते हैं
   V. (ii) जिसमें जीवमात्र की कल्याण भावना निहित होती है
3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. (b) सर्वनाम पदबंध

   Explanation: प्रस्तुत वाक्य में एक से अधिक शब्द मिलकर सर्वनाम की जानकारी दे रहे हैं इसलिए यह सर्वनाम

पदबंध है।

ii. (a) बच्चा **दौड़कर** आया है।

Explanation: प्रस्तुत वाक्य में क्रियाविशेषण शब्द का प्रयोग हुआ है यह क्रिया पदबंध नहीं है।

iii. (a) पाँच

Explanation: संज्ञा पदबंध, सर्वनाम पदबंध, विशेषण पदबंध, क्रिया विशेषण पदबंध, क्रिया पदबंध

iv. (a) बच्चे **घर के पास** खेल रहे हैं।

Explanation: उक्त उदाहरण सर्वनाम पदबंध का उदाहरण नहीं है क्योंकि इसमें सर्वनाम पद की जानकारी नहीं दी गई है।

v. (a) **शरारत करने वाले बच्चों** की कोई कमी नहीं है।

Explanation: प्रस्तुत वाक्य में संज्ञा पद के साथ विशेषण पद जुड़ा हुआ है अतः यही संज्ञा पद का सही उदाहरण है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) जो व्यक्ति सच बोलता है उसे कोई डरा नहीं सकता।

Explanation: यह विकल्प सही है। विशेषण आश्रित उपवाक्य

ii. (c) पंडित जी ने कल मंदिर न खुलने के लिए सूचित किया।

Explanation: यह विकल्प सही है।

उद्देश्य- पंडितजी ने

विधेय- मंदिर न खुलने के लिए सूचित किया।

iii. (c) हम यात्रा पर जाएँगे और होटल में ठहरेंगे।

Explanation: यह विकल्प सही है। समुच्चयबोधक- और का प्रयोग।

iv. (a) मेरा वह स्कूटर चोरी हो गया है, जो मैंने कल ही खरीदा था।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि यहाँ प्रधान उपवाक्य का प्रभाव आश्रित उपवाक्य पर पड़ रहा है और 'वह-जो' अव्ययों का प्रयोग होने से विशेषण आश्रित उपवाक्य है।

v. (a) उस बच्चे को बुला लाओ, जो काली कमीज़ पहने हुए है।

Explanation: यह विकल्प सही है। विशेषण आश्रित उपवाक्य।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) प्रसंग के अनुसार - तत्पुरुष समास

Explanation: प्रसंग के अनुसार - संबंध तत्पुरुष

यह विकल्प सही है क्योंकि प्रस्तुत शब्द के विग्रह में कारक चिह्न 'के' (संबंध कारक) का प्रयोग हुआ है।

ii. (d) महान है जो आत्मा - कर्मधारय समास

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि इसमें 'महान' शब्द 'आत्मा' की विशेषता बता रहा है। यहाँ पूर्व पद-महान (विशेषण) और उत्तर पद-आत्मा (विशेष्य) है।

iii. (d) नौ रात्रियों का समाहार - द्विगु समास

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि इस समास में पहला पद संख्यावाची होता है और समस्त पद किसी समूह

विशेष का बोध करवाता है तो यह नव - नौ अर्थात संख्या है और नवरात्रि - नौ रातों का समूह।

iv. (b) बहुब्रीहि समास

Explanation: बहुब्रीहि समास

उदाहरण- गिरिधर = गिरि को धारण करने वाला अर्थात श्रीकृष्ण।

v. (b) संसार रूपी सागर - कर्मधारय समास

Explanation: विकल्प सही है क्योंकि पहले विकल्प में दोनों पदों में उपमेय-उपमान का संबंध है और उत्तर पद 'संसार' मुख्य है।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) जानकारी लेने की कोशिश करना

Explanation: जानकारी लेने की कोशिश करना - मंदिर के बाहर बैठे भिखारी अकसर मालदार लोगों की टोह में रहते हैं।

ii. (a) गिद्ध दृष्टि

Explanation: गिद्ध दृष्टि - पैनी नज़र

iii. (c) डेरा डालना

Explanation: डेरा डालना - लोग जहाँ अनुकूल साधन देखते हैं वहीं डेरा जमा लेते हैं।

iv. (d) ज्यादा लाभ होना

Explanation: ज्यादा लाभ होना - 4 लाख रुपए मकान खरीदने पर खर्च करने से सस्ता सौदा है 2 लाख रुपए खर्च कर घर को नया रूप देना।

v. (c) गाढ़ी कमाई

Explanation: गाढ़ी कमाई -कड़ी मेहनत के बाद अर्जित धन

7. I. (iii) इन्द्र

II. (i) आकाश को

III. (iv) केवल पानी की आवाज का रह जाना

IV. (ii) धुंध छाने का

8. I. (ii) मनुष्य

II. (iv) प्रदूषण ने

III. (ii) संसार की रचना

IV. (i) प्राकृतिक आपदा से बचने के लिए

V. (ii) प्रकृति को असंतुलित करना

9. I. (i) वजीर अली को पकड़ने के लिए

II. (iii) वजीर अली

III. (i) चाँद की

IV. (iv) हफ्तों से

V. (ii) पाँच महीने

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:
    i. बड़े भाई साहब इम्तिहान पास होने को बहुत महत्त्व नहीं देते थे। वे कहते थे कि किताबें रट के पास तो हो सकते हैं, परंतु जीवन के अनुभवों और बुद्धि के विकास से ही इंसान बुद्धिमान बनता है। इसलिए इम्तिहान पास कर लेने से अधिक महत्त्वपूर्ण बात अनुभव का होना व व्यक्ति का बुद्धिमान होना है।
    ii. पहली ही नज़र में तताँरा को देखते ही वामीरो विस्मित हो गई। उसके मन में कोमल भावना निर्माण हो गई थी। घर पहुँचने पर उसे भीतर ही भीतर बेचैनी-सी महसूस होने लगी। झल्लाहट में दरवाजा बंद करना यह दर्शाता है कि मन में सोच रही हो कि वह तताँरा से अलग क्यों हो गई। इस बेचैनी से मुक्त होने के लिए मन को कहीं दूसरी ओर ले जाने का प्रयास कर रही थी। लेकिन उसके आंखों के सामने से तताँरा का विनम्र चेहरा नहीं हट रहा था। इससे स्पष्ट होता है कि वामीरो भी तताँरा की ओर आकर्षित हो गई थी।
    iii. लेखक ने ग्वालियर से बम्बई तक अनेक बदलावों को महसूस किया जैसे पहले बड़े बड़े घर, आँगन और दालान होते थे। अब डिब्बे जैसे घरों में लोग सिमट कर रह गए है। चारों ओर इमारतें और केवल इमारतें ही पाई जाती हैं। पहले सब मिलजुल कर रहते थे, अब आत्मकेन्द्रित हो गए हैं।। खुले स्थानों, पशु पक्षियों के रहने के स्थानों का अभाव दिखाई देता है। पहले पशु -पक्षियों को घरों में स्थान मिलता था, आज उनके घर आने के रास्तों को ही बंद कर दिया जाता है। इससे स्पष्ट होता है कि मानव स्वार्थी हो गया है और भावनाएँ समाप्त होती जा रही हैं।
11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए: कवि ने परोपकार, दया तथा उदारता जैसे गुणों के संदर्भ में दधीचि, कर्ण इत्यादि महान् व्यक्तियों की चर्चा कविता में की है। दधीचि ने देवताओं की रक्षा के लिए अपनी हड्डियों को दान कर दिया, जिससे इंद्र के अस्त्र वज्र का निर्माण हुआ तथा असुरों की पराजय हुई। दधीचि का परोपकार मनुष्यता के इतिहास में प्रशंसित है। दानवीर कर्ण ने अपने वचन को पूरा करने के लिए, अपने शरीर-चर्म के रूप में विद्यमान कवच-कुंडल का दान कर दिया। राजा शिवि ने पक्षी के प्राणों की रक्षाहेतु अपने शरीर का माँस काटकर दे दिया। रंतिदेव ने भूखे अतिथियों के लिए अपने हिस्से का भोजन उन्हें ग्रहण करने हेतु दे दिया। हमारे परिचितों में घर के नजदीक एक आंटी रहती है जो अत्यंत उदार है। वह हमेशा जरूरतमंदों की यथासम्भव सहायता करती है।
12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:
    i. इस पाठ में बताया गया है कि अनुशासन बनाए रखने के लिए बच्चों को कठोर यातनाएँ दी जाती थी, उन्हें शारीरिक दंड भी दिया जाता था। अनुशासन की यह युक्ति पूरी तरह गलत है। आधुनिक परिवेश में शिक्षकों को बच्चों के साथ मारपीट का अधिकार नहीं दिया गया है। आजकल बच्चों के मनोविज्ञान को समझने के लिए शिक्षकों को परिक्षण दिया जाता है कि वे बच्चे की भावनाओं को समझें, उनके दुर्व्यवहार के कारण को समझे। उनसे बातचीत करें और उन्हें उनकी गलती का एहसास कराए तथा उनके साथ मित्रता व ममता का व्यवहार किया जाए। जिससे वे बच्चों को ठीक से समझ कर उनके साथ उचित व्यवहार कर सके। छात्रों को मारना-पीटना और उनको कठोर यातनाएँ कानूनी अपराध की श्रेणी में गिना जाता है।
    ii. ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रद्धा के भाव हैं। वे अपने धर्म के प्रति अधिक निष्ठावान हैं। वे ठाकुरजी का आशीर्वाद लेकर ही हर शुभ कार्य को आरंभ करना चाहते हैं। किसी भी नए कार्य को आरंभ करने से पूर्व वे ठाकुरजी की

मनौती मनाते हैं और कार्य पूरा होने पर ठाकुरबारी को दान देते हैं। इस प्रकार ठाकुरबारी के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा होने का कारण उनकी धार्मिक एवं अंधविश्वासी मनोवृत्ति है। हरिहर काका को भी ठाकुरबारी पर अपार श्रद्धा थी, परंतु उनकी ज़मीन-जायदाद के लिए जब ठाकुरबारी के महंत द्वारा उनका अपहरण किया गया तब हरिहर काका का ठाकुरबारी के प्रति श्रद्धा भाव व भक्ति भाव समाप्त हो गया।

ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रदधा है। इस श्रदधा का कारण उनका धर्म के प्रति प्रगाढ़ रुझान है। हर शुभ काम में वे ठाकुर जी का योगदान मानते हैं । कोई भी काम करने से पहले वे ठाकुर जी की मनौती मानते हैं। काम पूरा होने पर वे ठाकुरबारी को दान देते हैं। ठाकुरबारी के प्रति उनकी अटूट श्रदधा का कारण उनकी धार्मिक मनोवृत्ति है ।

iii. टोपी शुक्ला हिन्दू था और इफ्फ़न मुसलमान। दोनों के ही परिवार धर्म को लेकर अत्यंत संवेदनशील थे। फिर भी दोनों बच्चों के बीच घनिष्ट मित्रता थी। दोनों एक-दूसरे के बिना अधूरे थे। टोपी इफ्फ़न के घर जाता था। इफ्फ़न की दादी से उसे विशेष लगाव हो गया था। जिस प्यार और अपनेपन को वह अपने घर में ढूँढ़ा करता था, वह उसे इफ्फ़न के घर में दादी के साथ में मिलता। दोनों मित्र एक-दूसरे के सुख-दुःख के साथी थे। एक के बिना दूसरे को चैन नहीं मिलता था। दोनों दोस्तों ने अपनी दोस्ती से यह सिद्ध कर दिया था कि मित्रता की भावना को मज़हब व जाति की दीवारों में कैद नहीं किया जा सकता। लेखक के विचार में मानव मानव है वह हिन्दू - मुस्लमान बाद में है। उनके विचार में हिन्दू - मुस्लिम भाई - भाई कहने से क्या फर्क पड़ता है। क्या कभी हम अपने बड़े या छोटे भाई से कहते हैं की हम भाई भाई हैं? विचार मिलने की बात है विचार मिलें तो अलग -अलग मज़हब व जाती वाले भी भाई हैं नहीं मिले तो भाई भी भाई नहीं हैं।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **कंप्यूटर हमारा मित्र**

ऑक्सफॉर्ड डिक्शनरी के अनुसार, "कंप्यूटर एक स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक मशीन है, जो अनेक प्रकार की तर्कपूर्ण गणनाओं के लिए प्रयोग किया जाता है।" कंप्यूटर बिजली से चलने वाली मशीन है, जिसकी प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होती है- इनपुट, प्रोसेस, आउटपुट अर्थात् जब हम कंप्यूटर में कोई डाटा इनपुट करते हैं, तो कंप्यूटर उस डाटा को प्रोसेस करके प्रयोगकर्ता को आउटपुट प्रदान करता है।

आज का युग कंप्यूटर का युग है। कंप्यूटर ने मानव जीवन को सरल बना दिया है। कंप्यूटर बड़े से बड़े काम को कुछ मिनटों में पूरा कर देता है। कंप्यूटर प्रत्येक वर्ग के जीवन का एक अनिवार्य अंग है। बच्चे हों या युवा, प्रौढ़ हों या बुजुर्ग कंप्यूटर ने सभी वर्गों में अपनी | अनिवार्यता सिद्ध कर दी है। विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर वर्तमान समय में बहु उपयोगी साधन प्रतीत होता है। गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, सामान्य ज्ञान आदि विषयों का अध्ययन विद्यार्थियों द्वारा कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। पढ़ाई-लिखाई से लेकर मनोरंजन आदि तक के लिए कंप्यूटर अपनी महता को दर्शाता है। इन सभी के अतिरिक्त विद्यार्थियों द्वारा इसका गलत ढंग से प्रयोग किया जाता है, जिसके कारण वे अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं और जीवन को बर्बाद कर लेते हैं। अतः प्रत्येक विद्यार्थी को कंप्यूटर का प्रयोग अपने मित्र की भाँति करना चाहिए, जिससे वे अधिकाधिक लाभ अर्जित कर सकें। कंप्यूटर का गलत ढंग से उपयोग करने से विद्यार्थियों को बहुत-सी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अतः प्रत्येक विद्यार्थी को कंप्यूटर का प्रयोग अच्छी चीजों को ढूंढने, अध्ययन आदि करने हेतु करना चाहिए।

ii. **शारीरिक शिक्षा और योग**

शारीरिक शिक्षा का तात्पर्य ऐसी शिक्षा से है, जिसमें शारीरिक गतिविधियों के द्वारा शरीर को स्वस्थ रखने की कला सिखाई जाती है। शारीरिक विकास के साथ-साथ इससे व्यक्ति का मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास भी होता है। शारीरिक शिक्षा में योग का स्थान बहुत महत्त्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य शरीर, मन एवं आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करना होता है। यह मन शांत एवं स्थिर रखता है, तनाव को दूर कर सोचने की क्षमता, आत्मविश्वास एवं एकाग्रता को बढ़ाता है। नियमित रूप से योग करने से शरीर स्वस्थ तो रहता ही है, साथ ही यदि कोई रोग है तो इसके द्वारा उसका उपचार भी किया जा सकता है।

कुछ रोगों में तो दवा से अधिक लाभ योग करने से होता है। तमाम शोधों से यह प्रमाणित हो चुका है कि योग संपूर्ण जीवन की चिकित्सा पद्धति है। पश्चिमी देशों में भी योग के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है और लोग तेज़ी से इसे अपना रहे हैं। योग की बढ़ती लोकप्रियता एवं महत्त्व का ही प्रमाण है कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी योग का समर्थन करते हुए 21 जून को योग दिवस घोषित कर दिया है।

वर्तमान परिवेश में योग न सिर्फ हमारे लिए लाभकारी है, बल्कि विश्व के बढ़ते प्रदूषण एवं मानवीय व्यस्तताओं से उपजी समस्याओं के निवारण में इसकी सार्थकता और भी बढ़ गई है। यही कारण है कि धीरे-धीरे ही सही, आज पूरी दुनिया योग की शरण ले रही है।

iii. किसी राष्ट्र की प्रगति के लिए जनसंख्या एक महत्वपूर्ण संसाधन होती है, पर जब यह एक सीमा से अधिक हो जाती है तब यह समस्या का रूप ले लेती है। जनसंख्या वृद्धि एक ओर स्वयं समस्या है तो दूसरी ओर यह अनेक समस्याओं की जननी भी है। यह परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति पर बुरा असर डालती है। जनसंख्या वृद्धि के साथ देश के विकास की स्थिति &ढाक के तीन पात वाली बनकर रह जाती है। प्रकृति ने लोगों के लिए भूमि, वन आदि जो संसाधन प्रदान किए है, जनाधिक्य के कारण वे कम पड़ने लगते है तब मनुष्य प्राकृतिक असंतुलन का खतरा पैदा होता है जिससे नाना प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न होती है। भारत को बढ़ती आबादी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। दुनिया की करीब 17% आबादी भारत में रहती है जिससे यह दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देशों में से एक है। जनसंख्या वृद्धि के लिए हम भारतीय की सोच काफी हद तक जिम्मेदार है। यहाँ की पुरूष प्रधान सोच के कारण घर में पुत्र जन्म आवश्यक माना जाता है। भले ही एक पुत्र की चाहत में छह, सात लडकियाँ क्यों न पैदा हो जाएँ पर पुत्र के बिना न तो लोग अपना जन्म सार्थक मानते हैं और न ही उन्हें स्वर्ग की प्राप्ति होती दिखती है। इसके अलावा अशिक्षा, गरीबी और मनोरंजन के साधनों का अभाव भी जनसंख्या वृद्धि में योगदान देता है। जनसंख्या वृद्धि रोकने के लिए लोगों का इसके दुष्परिणामों से अवगत कराकर जन जागरूकता फैलाई जानी चाहिए। और सरकार द्वारा परिवार नियोजन के साधनों का मुफ्त वितरण किया जाना चाहिए तथा जनसंख्या वृद्धि को पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए।

14. प्रति,

मुख्य डाकपाल,

मुख्य डाकघर,

दिल्ली।

विषय- पश्चिम विहार-IV क्षेत्र वितरण में हो रही लापरवाही की शिकायत।

महोदय,

नम्र निवेदन यह है कि पश्चिम विहार क्षेत्र का डाकिया श्रवण कुमार डाक वितरण में बहुत लापरवाही करता है। वह नाम और पता देखे बिना पत्र दरवाजे पर फेंक कर चला जाता है। परिणामस्वरूप, दूसरों के पत्र हमारे यहाँ आते हैं और हमारे पत्र दूसरे लोग देकर जाते हैं।

यह डाकिया डाक देने में देरी भी करता है। बिजली व टेलीफोन के बिल नियत तारीख निकल जाने के बाद मिलते हैं। उसकी लापरवाही का खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है तथा मानसिक परेशानी व आर्थिक नुकसान उठाने पड़ते हैं।

यह डाकिया कीमती तोहफों को गायब भी कर देता है। आपसे निवेदन है कि आप इस कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करें।

भवदीय

हस्ताक्षर . . . . . .

(डॉ. मोहित राजपूत)

206, पश्चिम विहार-V

नई, दिल्ली।

OR

परीक्षा भवन,

उत्तर प्रदेश।

दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,

एसडीओ (विद्युत वितरण विभाग),

क्षेत्र संख्या-5,

मुरादाबाद।

विषय बिजली का बिल ठीक करवाने हेतु।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मेरे घर की बिजली की जनवरी - फरवरी 2019 तक की मीटर रीडिंग 8819 दिखाई गई है, जबकि आज के दिन तक हमारा मीटर 8000 तक ही पहुँचा है। इसका अर्थ है कि बिजली की रीडिंग लेने के संबंध में लापरवाही हुई है और किसी कर्मचारी ने बिना मीटर देखे ही अपने तरीके से विद्युत बिल संबंधी प्रपत्र तैयार कर दिया। इससे पहले कभी भी हमारा बिजली का बिल इतना अधिक नहीं आया है। इसके प्रमाण हेतु मैं पिछले तीन बिलों की छायाप्रतियाँ भी संलग्न कर रहा हूँ। अतः आपसे अनुरोध है कि इस संबंध में शीघ्र ही उचित कार्यवाही की जाए तथा मेरा बिल ठीक करके सही बिल भेजा जाए, ताकि | मैं उसे जमा कर सकें।

सधन्यवाद।

भवदीय

पवन

15.

बाल भारती पब्लिक स्कूल, दिल्ली

सूचना

दिनांक 20 दिसंबर, 20XX

योग कक्षाओं के आयोजन हेतु

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि 'बाल भारती पब्लिक स्कूल की ओर से बड़े दिन की छुट्टियों में दिनांक 25 दिसंबर, 2017 से 31 दिसंबर 2017 तक प्रतिदिन प्रातःकाल 8 बजे से 9 बजे तक विद्यालय के प्रांगण में योग की कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। सभी इच्छुक विद्यार्थी अपने नाम, कक्षा व रोल नं. का ब्योरा योगा कॉर्डिनेटर को लिखवा दें।

अवनी शर्मा

योग कॉर्डिनेटर

OR

गोविन्द पब्लिक स्कूल, दिल्ली

सूचना

दिनांक: 15 अक्टूबर, 20

दिवाली मेले का आयोजन

सभी छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि 20 अक्टूबर को दोपहर 2:00 बजे से हमारे विद्यालय के खेल मैदान में दिवाली मेले का आयोजन किया जाएगा। विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से आग्रह है कि वह इस समारोह में अवश्य उपस्थित हो। जिससे यह मेला सफल हो सके।

आज्ञा से

सचिन अवस्थी

विद्यालय सचिव

16.

मनोरम ब्यूटी क्रीम

एलोवेरा जेल युक्त

"खिला-खिला चेहरा झलकता नूर,

ऐसा लगे चली आ रही हूर।"

"""""""दो की खरीदारी पर मनोरम फेस वॉश फ्री"""""""

OR

सेल! सेल! सेल!

मज़बूती में इसका नहीं जवाब,

सामान की करे सुरक्षा बेहिसाब,

इसकी सुंदरता है लाजवाब

(50% तक की छूट)

जल्दी कीजिए

कहीं ऑफर छूट न जाए

मोनिका पर्स स्टोर

17. **जहाँ चाह वहाँ राह**

कुछ दिन पहले की बात है, जब मैं अपने स्कूल पहुँचा तो मुझे ज्ञात हुआ कि हमारे स्कूल में दौड़ की प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला है। मुझे बचपन से ही खेलकूद खास तौर पर दौड़ में बहुत दिलचस्पी थी। फिर मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ दौड़ के लिए नामांकन कराने गया। नाम दर्ज कराने के बाद पता चला कि दौड़ की प्रतियोगिता 20 दिनों के बाद रखी गई है।
उसके बाद मैंने अपनी तैयारी शुरू कर दी लेकिन एक सप्ताह बाद ही बाजार से आते समय मेरा एक्सीडेंट हो गया और मेरे पाँव में मोच आ गई। मुझे लगा कि मैं अब दौड़ में शामिल नहीं हो पाऊँगा। ऐसे में मेरे माता-पिता ने मेरा हौसला बढ़ाया और कहा कि कोई बात नहीं अभी भी दस दिन बाकी हैं। अगर तुम हिम्मत नहीं हारोगे तो सबकुछ हो सकता है। मैंने मन में ठान लिया कि मुझे अब दौड़ना है और देखते-देखते दौड़ का दिन भी आ गया। अगर हम अपने मन से कोई काम चाहें तो वह जरूर पूरा होता है और ऐसा हुआ भी। मैंने दौड़ में भाग भी लिया और दूसरा स्थान प्राप्त किया।

OR

वृक्ष की व्यथा

मैं एक वृक्ष हूँ और आज मैं आपको अपनी लघुकथा सुना रहा हूँ। सबसे पहले मैं एक बीज के रूप में जमीन के अंदर बो दिया जाता हूँ। फिर मिट्टी, पानी और हवा की मदद से मुझमें ज़मीन के अंदर जड़ें, ज़मीन के बाहर कोंपलें फूटती, फिर डालियाँ निकलती हैं और फिर कुछ वर्षों में मैं एक विशाल वृक्ष बन जाता हूँ, लेकिन मेरी असली कहानी यहीं से शुरू होती है।
बड़े होने के बाद मुझमें फल आने लगते हैं और लोग मेरे फलों का आनन्द लेते है और कुछ लोग उनसे अपनी कमाई भी कर लेते हैं। मैं सभी को फल के अलावा शुद्ध हवा और गर्मी से बचने के लिए छाँव भी देता हूँ और फिर जब मैं बूढ़ा हो जाता हूँ, तो मुझे काटकर उसी घर के चूल्हे में जला दिया जाता है, जिसकी सेवा में मैंने अपना पूरा जीवन लगा दिया।